कैंसर के इलाज में टारगेट ड्रग डिलिवरी टेक्निक कारगर

डीएवीवी के स्कूल ऑफ केमिकल साइंस में हुई संगोष्ठी में IIT इंदौर के डॉ. वैंकटेश ने कहा

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

अमेरिकन कैंसर सोसायटी ने एक नए शोध में बताया है कि पूरी दुनिया में 7 लाख से अधिक नए प्रकार के कैंसर की खोज हुई है। वर्ष 2030 तक लगभग 27 लाख व्यक्ति कैंसर से ग्रस्त होंगे। हमने टारगेट ड्रग डिलिवरी टेक्निक का विकास किया है जिसमें विभिन्न प्रकार के कैंसर का पता चलने के साथ उसका उपचार शरीर के अन्य अंगों को प्रभावित किए बिना किया जा सकता है। यह बात डीएवीवी के स्कूल ऑफ केमिकल साइंस में हुई संगोष्ठी में आईआईटी इंदौर के डॉ. वैंकटेश ने कही।

रिसर्च में सफलता के लिए धैर्य और निरंतरता ज़रूरी

न्यू डायमेंशंस इन केमिकल साइंसेस विषय पर हुई इस संगोष्ठी में उन्होंने कहा कि गंभीर बीमारियों में नई चिकित्सा पद्धति की खोज करना रसायन के क्षेत्र में चुनौती है। विदेशों में कैंसर ज़ैसी बीमारी को लेकर इस पद्धति का प्रयोग होने लगा है, लेकिन यह पद्धति महंगी होने के कारण भारत में प्रचलित नहीं हो पाई है। आईआईटी दिल्ली के रसायन विभाग के डॉ. रवि पी. सिंह ने कहा कि कम कीमत में भी अनुसंधान के क्षेत्र में सफलता पाई जा सकती है। इसके लिए शोधार्थियों में धैर्य और निरंतरता होना ज़रूरी है।

संगोष्ठी के विभिन्न सत्रों में वक्ताओं ने संबोधित किया।

आईआईटी इंदौर के डॉ. बिस्वरूप पाठक ने उच्च दक्षता पूर्ण क्लीन एनर्जी फ्यूल सेल के बारे में बताया कि ये पूरी तरह निम्न कार्बन उत्सर्जन तकनीक है, जिससे पर्यावरण का संरक्षण हो सकेगा। चौथे सत्र में शोधार्थियों ने ओरल और पोस्टर प्रेजेंटेशन दिए। इस मौके परर कुलपति डॉ. नरेंद्र धाकड़ ने स्कूल ऑफ केमिकल साइंस की वेबसाइट बनाने वाले आईईटी बी.ई. प्रथम वर्ष के स्टूडेंट्स रितिक जैन और धनंजय पुरोहित को स्मृति चिह्न और 5000 रुपए नकद पुरस्कार दिए। संगोष्ठी में प्रो. शीला जोशी, प्रो. प्रतिभा शर्मा और प्रो. सविता खरे ने विभिन्न सत्रों में अध्यक्षता की। उदघाटन कुलपति डॉ. नरेंद्र धाकड़, डॉ. अनिल शर्मा व विभागाध्यक्ष डॉ. अशोक शर्मा ने किया। संचालन गगनदीप कौर ने किया। आभार प्रो. एच.पी.एस. चौहान ने माना।

Dainik Bhaskar (Indore), 10th March 2019, City Bhaskar, Page-2